वियना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे ज्वेरेव, पहली बार विश्व नंबर एक बनना सुनिश्चित

वियना

जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने वियना ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ ही पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करना सुनिश्चित कर लिया है। प्री-क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव ने नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर को 6-4, 7-5 से हराया।

सोमवार को जारी होने वाली नई रैंकिंग में वह इटली के यानिक सिनर को पीछे छोड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे।

29 वर्षीय ज्वेरेव फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीतने के बाद शानदार लय में हैं। वह 1991 में बोरिस बेकर के बाद विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले जर्मनी के दूसरे पुरुष टेनिस खिलाड़ी होंगे। वर्ष 1973 में विश्व रैंकिंग शुरू होने के बाद शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाले वह 30वें पुरुष खिलाड़ी बनेंगे।

ग्रिक्सपुर के खिलाफ ज्वेरेव ने दमदार खेल दिखाया। उन्होंने लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। मैच का अंत उन्होंने ऐस लगाकर किया। इस उपलब्धि के बाद कोर्ट पर विशेष समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उनकी टीम के साथ आस्ट्रिया के पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी थामस मस्टर भी मौजूद रहे। ज्वेरेव ने कहा कि दुनिया के शीर्ष पर पहुंचने का एहसास बेहद खास है। किसी टूर्नामेंट का खिताब जीतने से यह उपलब्धि अलग है। उन्होंने कहा कि नई रैंकिंग जारी होने पर अपने नाम के आगे नंबर एक देखना उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा। ज्वेरेव ने यह भी स्वीकार किया कि सिनर और कार्लोस अल्काराज की चोटों ने उन्हें शीर्ष स्थान तक पहुंचने में कुछ मदद की। सिनर ने घुटने की चोट से उबरने के लिए अक्टूबर की शुरुआत में ही अपना सत्र समाप्त करने का फैसला किया था। वहीं, विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर मौजूद अल्काराज ने वियना ओपन में निकोलोज बासिलाश्विली को 6-1, 7-6 (11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव इससे पहले 2022 में फ्रेंच ओपन के दौरान भी विश्व नंबर एक बनने के करीब पहुंचे थे, लेकिन राफेल नडाल के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उनके टखने के लिगामेंट में चोट लग गई थी। इसके कारण उन्हें पूरे शेष सत्र से बाहर होना पड़ा था। ज्वेरेव ने कहा कि उन्हें इस उपलब्धि के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा, लेकिन जीवन की सबसे अच्छी चीजों के लिए कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने अपने शानदार वर्ष के लिए आभार जताते हुए कहा कि वह इस उपलब्धि से बेहद खुश और उत्साहित हैं।

न्यूज ब्रीफ

हायलो ओपनः सिंधु और अनमोल खरब क्वार्टर फाइनल में

सारब्रुकेन। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हायलो ओपन 2026 के महिला एकल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकासारी को सीधे गेमों में 21-9, 21-6 से हराया। यह मुकाबला 30 मिनट से भी कम समय में समाप्त हो गया। क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना डेनमार्क की अमाली शुल्ज से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु इस सुपर 500 प्रतियोगिता में फ्रेंच ओपन सुपर 750 में उपविजेता रहने के बाद उतरी हैं। फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच युवा भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब ने भी शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 19 वर्षीय अनमोल ने प्री-क्वार्टर फाइनल में उच्च वरीयता प्राप्त डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन को एक घंटे तीन मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-18, 25-23 से हराया। पहला गेम गंवाने के बाद अनमोल ने दूसरे गेम में वापसी की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। तीसरे गेम में उन्होंने धैर्य बनाए रखते हुए 25-23 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका सामना भारत की ही उन्नति हुड्डा से होगा। हालांकि, मालविका बंसोड़ को महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया ।

कपिल से प्रेरित होकर क्रिकेट खेलना शुरू किया था : हरभजन

चंडीगढ़। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अपने करियर के शुरुआती दिनों के संघर्षों और निजी चुनौतियों को याद किया। हरभजन ने कहा कि तब महान आलराउंडरों में से एक कपिल देव से प्रेरित होकर उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था और उन्हीं की तरह देश के लिए कुछ करने का सपना देखा था। मात्र 17 साल की उम्र में राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के बाद, उन्हें जल्द ही अपने एक्शन को लेकर विवाद का सामना करना पड़ा और टीम से बाहर कर दिया गया। यह उनके लिए एक बड़ा झटका था, जिसने वह बेहद निराश हुए थे। तब उन्हें लगा था कि उनका क्रिकेट करियर शुरू होने से पहले ही शायद खत्म हो गया है। हालांकि, ऐसे कठिन समय में उनके परिवार ने, विशेषकर उनकी मां ने, उन्हें भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरा सहयोग दिया। इसी अटूट समर्थन की बदौलत वह फिर से मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। इससे वह अपने अपने बचपन के सपने को साकार करने की राह पर निकल गये। उन्होंने नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) से निकाले जाने के अपने अनुभव को भी साझा किया। हरभजन ने बताया कि उन्हें एनसीए से बाहर किए जाने पर काफी दुख हुआ था, क्योंकि यह घटना तब हुई जब उन्होंने अपने और कुछ अन्य साथी खिलाड़ियों के हितों की रक्षा में आवाज उठाई थी। यह प्रसंग उनके मजबूत चरित्र, दृढ़ निश्चय और अन्याय के खिलाफ खड़े होने के उनके विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है। हरभजन अपनी आक्रामक और जुझारू शैली के लिए भी जाने जाते थे, विशेषकर जब वे मैदान पर थे। उन्होंने अपनी इस रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, जब आप आस्ट्रेलिया जैसी विश्व स्तरीय और बेहद प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ उतरते हैं, तो आपको उनके जैसा ही सख्त बनना पड़ता है।

हार्दिक के लिए केकेआर रहेगी सबसे बेहतर, कप्तान तक बन सकते हैं : अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि आलराउंडर हार्दिक पंड्या के लिए सबसे अच्छी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रहेगी। जिसमें उन्हें कप्तानी तक आसानी से मिल जाएगी। इसलिए उन्हें केकेआर में जान चाहिये। अश्विन ने ये बात इसलिए कहीं क्योंकि आईपीएल 2027 की ट्रेड विंडो खुलने से पहले ही पांड्या के भविष्य को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। ये भी कहा जा रहा है कि हार्दिक मुंबई इंडियंस का साथ छोड़ सकते हैं, जिससे कई फ्रेंचाइजी की नजर उन पर है। इसी को लेकर अश्विन का ताजा बयान आया है। अश्विन का मानना है कि यदि हार्दिक मुंबई से अलग होते हैं, तो केकेआर से बेहतर जगह उनके लिए कोई नहीं रहेगी। अश्विन के अनुसार, केकेआर में पांड्या के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। केकेआर को भी उनके जैसे एक ऐसे प्रभावशाली कप्तान और आलराउंडश्र खिलाड़ी की सख्त जरुरत है जो टीम को नई दिशा दे सके। पांड्या इस भूमिका में पूरी तरह फिट बैठते हैं और आसानी से टीम की कप्तानी की संभाल सकते हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, चतुर गेंदबाजी और अनुभवी नेतृत्व क्षमता कोलकाता को एक मजबूत आधार प्रदान कर सकती है, जिससे टीम को आगामी सीजन में संतुलन और गहराई मिल सकती है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड को भारत और इंग्लैंड से हुए मुकाबलों से रिकार्ड कमाई हुई : रिपोर्ट

सिडनी

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट (सीए) के लिए ये साल अच्छा रहा है। इसमें उसे इंग्लैंड के खिलाफ एशेज और भारत के खिलाफ सीरीज से मोटी कमाई हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार सीए ने वित्तीया वर्ष 2025-26 में भारत के खिलाफ सीमित ओवरों के मुकाबलों के बल पर रिकॉर्ड कमाई की। संस्था ने वित्तीय वर्ष के दौरान मीडिया अधिकार समझौतों से 601.1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की रिकॉर्ड आय दर्ज की, जबकि 81.8 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर भी कमाये।

यह प्रदर्शन पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले काफी बेहतर है । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 2024-25 में 11.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का नुकसान हुआ था। वहीं 2025-26 की रिकॉर्ड कमाई में मीडिया अधिकारों से प्राप्त 601.1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 423 मिलियन अमेरिकी डॉलर) और 81.8 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 57 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का शुद्ध मुनाफा मुख्य रूप से इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज और भारत के साथ हुए मुकाबलों के कारण हुआ। मीडिया अधिकारों से हुई रिकॉर्ड कमाई के साथ-साथ व्यावसायिक साझेदारियों और मैच के दिन की मजबूत आय ने इन आंकड़ों को बढ़ाया है।

इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज के दौरान दर्शकों में बेहद उत्साह था। सीए के अनुसार, सीरीज के 18 दिनों में कुल 8,59,580 दर्शक मैच देखने स्टेडियम पहुंचे, जिससे प्रति दिन औसतन 47,754 दर्शकों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस बड़ी संख्या ने टिकट बिक्री और मैच से संबंधित अन्य राजस्व को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। वहीं अक्टूबर और नवंबर में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से भी संस्था को काफी फायदा हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीती, जबकि भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इन हाई-प्रोफाइल मुकाबलों ने दर्शकों की जबरदस्त दिलचस्पी खींची और प्रसारण अधिकारों की अहमियत को मजबूत किया, जिससे सीए की व्यावसायिक आय भी बढ़ी। हालांकि, इस रिकॉर्ड कमाई के बावजूद सीए भविष्य को लेकर सतर्क है। संस्था ने अनुमान लगाया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरों के कार्यक्रम में बदलाव और मीडिया अधिकारों से मिलने वाली आय में चक्रीय उतार-चढ़ाव के कारण 2026-27 और 2027-28 वित्तीय वर्षों में नुकसान हो सकता है।

प्रीमियर लीग : माइकल ओवेन की भविष्यवाणी, चेल्सी से 3-1 से हारेगा मैनचेस्टर यूनाइटेड

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व फुटबालर और मैनचेस्टर यूनाइटेड के दिग्गज खिलाड़ी माइकल ओवेन ने प्रीमियर लीग में चेल्सी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच होने वाले मुकाबले में चेल्सी की जीत की भविष्यवाणी की है। ओवेन के मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों में चेल्सी की टीम मानसिक रूप से मैनचेस्टर यूनाइटेड से बेहतर स्थिति में है और वह यह मुकाबला 3-1 से जीत सकती है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 31 अक्टूबर को खेला जाएगा। चेल्सी की टीम टोटेनहम हाटस्पर के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार के बाद वापसी करना चाहेगी। वहीं, मैनचेस्टर यूनाइटेड की नजर भी हार का सिलसिला तोड़कर जीत की राह पर लौटने पर होगी। दोनों टीमों को अपने पिछले प्रीमियर लीग मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। मैनचेस्टर यूनाइटेड को बोर्नमाउथ ने हराया था। जियोस्टार को दिये एक साक्षात्कार में ओवेन ने कहा कि चेल्सी के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव जरूर रहा है, लेकिन टीम इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वह अंक तालिका में शीर्ष चार के करीब है और उसके पास आक्रमण में कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ओवेन ने चेल्सी के स्ट्राइकर जोआओ पेड्रो की तारीफ करते हुए उन्हें लंबे समय से कम आंका गया खिलाड़ी बताया। हालांकि, चोट के कारण वह इस मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे और उनकी जगह डैनी वेलबेक को मौका मिल सकता है। ओवेन के अनुसार, मार्गन रोजर्स और कोल पामर की मौजूदगी में पेड्रो के बिना भी चेल्सी का आक्रमण काफी मजबूत है। ब्रूनो फर्नांडिस को लेकर यूनाइटेड के सामने चुनौती मैनचेस्टर यूनाइटेड के आक्रमण को लेकर ओवेन ने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम इस मुकाबले में किस संयोजन के साथ उतरती है। उन्होंने ब्रूनो फर्नांडिस को पिछले मुकाबले में टीम से बाहर रखने के फैसले का समर्थन किया। उनके अनुसार, मैनेजर के खिलाफ बयानबाजी और टीम की रणनीति पर सवाल उठाने के बाद ब्रूनो को बाहर रखना सही फैसला था। ओवेन ने कहा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर को अपने फैसलों में मजबूती दिखानी चाहिए और किसी भी तरह की कमजोरी नहीं दिखानी चाहिए।

वैभव की गेल से तुलना करने लगे हैं प्रशंसक

मुम्बई

भारतीय टीम के 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भले ही उन्होंने अभी तक केवल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हों पर तूफानी पारियों को देखकर क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों को वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के शुरुआती दिनों की याद आने लगी है। जिससे इनकी शुरुआती 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों की तुलना भी होने लगी है।

भारतीय शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, वैभव को जब भी अवसर मिला है, उन्होंने उसका लाभ उठाया है। उन्होंने इंग्लैंड में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की और जिम्बाब्वे दौरे पर प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब जीतकर अपने को साबित किया। इसके बाद, उन्होंने एशियाई खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन किया। उनका ये सिलसिला न्यूजीलैंड दौरे पर भी जारी है। अपने इतने छोटे से करियर में चार अलग-अलग देशों में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले वैभव का भारत में अभी तक डेब्यू होना बाकी है, जो उनकी असाधारण क्षमता दिखाता है।

दूसरी ओर गेल को विस्फोटक बल्लेबाज कहा जाता था। वहीं वैभव भी निडर होकर गेंदबाजों की पिटाई करते है। अपने शुरुआती 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में वैभव सूर्यवंशी ने 29.50 के औसत और 185.53 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 295 रन बनाए हैं।

इस दौरान उन्होंने दो शानदार अर्धशतक लगाये। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन पारियों में उन्होंने 50.33 के औसत और 196.10 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से 151 रन बनाये, जिसमें 49 गेंदों पर 81 रन और 19 गेंदों पर 50 रन की दो तूफानी पारियां शामिल थीं। न्यूजीलैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने 181.48 के स्ट्राइक रेट से 49 रन और इंग्लैंड के खिलाफ तीन पारियों में 168 के स्ट्राइक रेट से 42 रन बनाये।

वहीं गेल ने अपनी पहली 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 37.60 के बेहतरीन औसत और 151.61 के स्ट्राइक रेट से कुल 376 रन बनाये थे। उनके नाम एक तूफानी शतक और तीन अर्धशतक दर्ज थे। 2007 टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 57 गेंदों पर उनकी 117 रनों की ऐतिहासिक पारी और 2009 टी20 विश्व कप में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 गेंदों पर 88 रनों की पारी उनके शुरुआती करियर की विस्फोटक झलक थी।

हरमनप्रीत और सुखजीत के दो-दो गोल से भारत ने चीन को 5-2 से हराया

जालंधर। भारतीय पुरुष हाकी टीम ने हीरो एशियन चैंपियंस ट्राफी पंजाब-2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन को 5-2 से हरा दिया। ओलंपियन सुरजीत सिंह हाकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और प्लेयर आफ द मैच सुखजीत सिंह ने दो-दो गोल किए, जबकि जुगराज सिंह ने एक गोल दागा। इस जीत के साथ गत चैंपियन भारत ने दो मैचों में छह अंक हासिल कर अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा। भारत की ओर से सुखजीत ने 12वें और 34वें मिनट में गोल किए। हरमनप्रीत ने 27वें और 31वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदला, जबकि जुगराज ने 47वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर से गोल किया। चीन की ओर से यांग पेंग ने 26वें और चेन चोंगचोंग ने 36वें मिनट में गोल किए। भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन चीन ने मजबूत रक्षात्मक रणनीति के दम पर मेजबान टीम को आसानी से मौके नहीं बनाने दिए। 12वें मिनट में जुगराज के लंबे हवाई पास को नियंत्रित करने के बाद सुखजीत ने आगे बढ़ते गोलकीपर के ऊपर से गेंद उठाकर शानदार गोल किया। चीन ने 14वें मिनट में बराबरी का प्रयास किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने लगातार दो बचाव कर बढ़त कायम रखी।

31वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स एचएमजी स्पोर्ट्स अवॉर्ड में 35 खेल हस्तियां सम्मानित

भोपाल। 31वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स एचएमजी स्पोर्ट्स अवॉर्ड समारोह में शुक्रवार को देश और प्रदेश की 35 खेल हस्तियों को सम्मानित किया गया। जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी के सभागार में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल पत्रकारों और खेल प्रमोटर्स को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेएलयू के प्रो-चांसलर एवं एचएमजी स्पोर्ट्स के संचालक अभिषेक मोहन गुप्ता और पद्मश्री पैरा तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया थे। विशिष्ट अतिथियों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर जेपी यादव, स्नूकर खिलाड़ी कमल चावला, पूर्व क्रिकेट कप्तान बृजेश तोमर और द्रोणाचार्य अवार्डी महासिंह राव सहित अन्य खेल हस्तियां मौजूद रहीं।

एशियन गेम्स 2026 के हॉकी और सॉफ्ट टेनिस पदक विजेता इशिका चौधरी और जय मीणा को मध्य प्रदेश खेल रत्न से सम्मानित किया गया। कॉमनवेल्थ तलवारबाजी की स्वर्ण एवं रजत पदक विजेता खुशी दाभाड़े को स्पोर्ट्स वूमेन ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। मध्य प्रदेश कुश्ती अकादमी के मुख्य कोच और द्रोणाचार्य अवार्डी महासिंह राव को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया।

समारोह में श्रेष्ठ खिलाड़ी, श्रेष्ठ प्रतिभा, श्रेष्ठ कोच, खेल प्रमोटर, खेल पत्रकार और विशेष खेल पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इसके अलावा अरविंदो स्कूल को खेल संस्थान और एमटीएफसी को हॉकी क्लब श्रेणी में सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं और खेलों को प्रोत्साहन देने वालों के योगदान को पहचान देना रहा।

वर्ल्ड चैंपियनशिपः मनीषा भानवाला फाइनल में पहुंचीं, तनु शर्मा ने जीता कांस्य; भारत की झोली में आए दो रजत

नई दिल्ली

सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों का शानदार प्रदर्शन जारी है। मनीषा भानवाला ने 59 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर भारत के लिए रजत पदक पक्का कर लिया है। वहीं, तनु शर्मा ने 72 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले बुधवार को काजल धोचक और नीलम सिरोही ने भी फाइनल में पहुंचकर रजत पदक जीते थे।

मनीषा की फाइनल में एंट्री, गोल्ड पर नजर

कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मनीषा भानवाला ने मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखु को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। इस जीत के साथ उन्होंने कम से कम रजत पदक सुनिश्चित कर लिया है। अब स्वर्ण पदक के लिए उनका सामना अमेरिका की एबिगेल एलिजाबेथ नेटे से होगा। मनीषा ने टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में कनाडा की लारेंस ब्यूरगार्ड को 6-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इसके बाद भी उन्होंने अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखा और फाइनल तक का सफर तय किया।

तनु शर्मा ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

72 किलोग्राम भार वर्ग में तनु शर्मा ने तीसरे स्थान के मुकाबले में अमेरिका की प्रीशियस रोसन्ना बेल को 9-5 से हराकर कांस्य पदक जीता। तनु ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर भारतीय दल के पदकों की संख्या में इजाफा किया।

अहिल्या शिंदे क्वार्टर फाइनल में हारीं

55 किलोग्राम भार वर्ग में अहिल्या शिंदे का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्होंने राउंड आफ 16 में क्यूबा की यानेलिस सानज वर्डेसिया को 8-1 से हराकर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में उन्हें

तुर्किये की तुबा डेमिर के खिलाफ 6-9 से हार का सामना करना पड़ा।

विक्की हुड्डा को रेपेचेज में मिला मौका

पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती के 97 किलोग्राम भार वर्ग में विक्की हुडा की पदक की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। उन्हें क्वार्टर फाइनल में जापान के अराश योशिदा के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 2-12 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, योशिदा के फाइनल में पहुंचने के कारण विक्की को रेपेचेज दौर में खेलने का मौका मिला है। इस दौर में जीत दर्ज कर वह पदक की दौड़ में बने रह सकते हैं। वहीं, 65 किलोग्राम भार वर्ग में सुजीत कलकल का सफर समाप्त हो गया।

काजल और नीलम ने बुधवार को जीते थे सिल्वर

इससे पहले बुधवार को भारतीय पहलवान काजल धोचक और नीलम सिरोही ने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में हार के बाद रजत पदक जीते थे। दोनों महिला पहलवानों ने पहली बार एक ही संस्करण में फाइनल तक पहुंचकर भारतीय कुश्ती में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की। 76 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में 18 वर्षीय काजल का सामना यूक्रेन की अनास्तासिया अल्पयेयेवा से हुआ। दो अंडर-20 विश्व खिताब जीतने के बाद सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहीं काजल ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन करीबी मुकाबले में उन्हें 6-8 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में 26 वर्षीय नीलम सिरोही को जापान की चार बार की विश्व चैंपियन युई सुसाकी ने 5-0 से हराया। इस तरह नीलम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

काजल ने पिछड़ने के बाद की शानदार वापसी

काजल ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान शानदार जुझारूपन दिखाया। सेमीफाइनल में वह किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत काइजी के खिलाफ 1-7 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए मुकाबला 10-7 से जीत लिया। दूसरी ओर, नीलम ने भी पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की जेनेप बायानोवा को 7-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। गौरतलब है कि 2021 में अंशू मलिक विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। अब काजल और नीलम की उपलब्धि ने भारतीय महिला कुश्ती के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। मनीषा भानवाला के फाइनल में पहुंचने से भारत की स्वर्ण पदक की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं।